ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:03.05.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन: 2024-05-03(अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	04/05/2024	05/05/2024	06/05/2024	07/05/2024	08/05/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	1.0	2.0	1.0	5.0
अधिकतम तापमान (से.)	23.0	23.0	24.0	24.0	25.0
न्यूनतम तापमान (से.)	11.0	11.0	12.0	13.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	12	12	10	10
पवन दिशा (डिग्री)	270	130	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	1	1	1	2

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 1.0-5.0 मिमी की बहुत हल्की वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 23.0-25.0oC और 11.0-13.0oC के बीच रहने की भविष्यवाणी की गई है। 8-12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम और दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने का अनुमान है। 5, 6 और 7 मई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम आंकड़ों तथा बिजली सम्बंधित चेतावनी के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से उपलब्ध "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान 03.05.2024 से 09.05.2024 के दौरान सामान्य वर्षा तथा सामान्य से नीचे अधिकतम - न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति को दर्शाता है। गेहूं तथा अन्य फसलों की कटाई के बाद हरी खाद देनी चाहिए और मिट्टी के अनुसार ढैंचा 50-60 किग्रा/हेक्टेयर तथा सनई 80-90 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोकर किया जा सकता है। रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई करनी चाहिए ताकि कीड़ों के अंडे और खरपतवार नष्ट हो जाएं। सूखी उपज को अच्छी तरह से कूट कर भण्डारित किया जाना चाहिए। चूँकि पूर्वानुमानित स्थितियाँ शुष्क हैं इसलिए उचित सिंचाई का प्रयोग नियमित रूप से किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान अनुसार, मौसम शुष्क रह सकता है इसलिए फसलों में सिंचाई के उचित उपाय किए जाने चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूं /चना/मसूर/सरसों	कटाई	सभी रबी फसलों की कटी हुई उपज को अच्छी तरह सुखाकर भण्डारित किया जाना चाहिए।
बाजरा (झंगोरा)	बुआई	मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में बाजरा (झंगोरा) की बुआई की जा सकती है और बुआई से पहले उर्वरक का प्रयोग किया जाना चाहिए।
धान	बुआई	चेतकी धान की बुआई तथा बुआई के बाद उचित सिंचाई के उपाय करने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
अमरंथस/ फ्रेंच बीन/ चौलाई/मेथी/ लहसुन	बुआई	चौलाई/फ्रेंचबीन/मेथी/लहसुन की बुआई इसी माह में करनी चाहिए तथा बीज के जमने पर सिंचाई लगाए।
लोबिआ	बुवाई	पहाड़ी इलाकों में फसल की बुआई की जा सकती है ।
टमाटर/बैंगन/शिमला मिर्च	रोपाई	जीवन रक्षक सिंचाई की व्यवस्था की जानी चाहिए और नमी बनाए रखने के लिए नमी संरक्षण विधियों का उपयोग किया जाना चाहिए।
कद्दू वर्गीय सब्जियों	वानस्पतिक/ फूलदायी	कद्दूवर्गीय (कद्दू वर्गीय सब्जियों) फसल में पत्ती धब्बा रोग लगने पर मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल का छिड़काव करना चाहिए।
पत्तागोभी	बुआई	सब्जी के लिए पहाड़ी इलाकों में बुआई की जा सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को हवादार स्थानों पर रखा जाना चाहिए और उन्हें लगातार पर्याप्त पानी दिया जाना चाहिए। उचित पंखे और कूलर की व्यवस्था की जानी चाहिए और जानवरों को शांत रखने के लिए उन्हें नियमित रूप से ठंडे पानी से धोना चाहिए। दो माह के पशुओं को पिपराजीन नामक कृमिनाशक दवाई पिलानी चाहिए तथा दो से चार माह की उम्र के पशुओं को लंगड़ी भुखार का टिक्काकरण करवाना चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	रबी फसलों की कटाई के बाद, खेतों को अच्छी तरह से साफ किया जाना चाहिए, हानिकारक कीड़ों, उनके चरणों और हानिकारक खरपतवारों को नष्ट करने के लिए गहरी जुताई करनी चाहिए।